संसार का
सबसे बड़ा समाचार

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" यूहन्ना 3:16

क्या आप स्वर्ग जाने को तैयार हैं?

• क्या आपका उद्धार हुआ है?	हां नहीं	• आपका उद्धार कब हुआ था? _____
• क्या आपका बपतिस्मा हो गया है?	हां नहीं	• आपका बपतिस्मा कब हुआ था? _____
• क्या आप मसीह की कलीसिया के सदस्य हैं?	हां नहीं	• आप कलीसिया के सदस्य कब बने थे? _____

इन चार्टों के माध्यम से वचन की सेल्फ-स्टडी आरम्भ करने से पहले ऊपर दिए प्रश्नों के उत्तरों को लिख लें। सिलसिलेवार दी गई आयतों को पढ़ते हुए हर चार्ट का अध्ययन करें। चार्टों में दिए नम्बरों और तीरों के अनुसार चलें। अंत में इस पहले पेज पर वापस आएं और देखें कि जो कुछ आपने सीखा है क्या वह आपके दिए उत्तरों से मेल खाता है।

चार्ट 2 पर जाएं ↓

2

A **"फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें। तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उस ने मनुष्यों की सृष्टि की ..." उत्पत्ति 1:26, 27**

परमेश्वर हमारा सृजनहार है इसलिए ...

परमेश्वर

1. क्या उसे यह अधिकार है कि वह हमें नियम दे?

हां नहीं

B *"जो मुझे तुच्छ जानता है और मेरी बातें ग्रहण नहीं करता है उसको दोषी ठहरानेवाला तो एक है: अर्थात जो वचन मैंने कहा है, वही पिछले दिन में उसे दोषी ठहराएगा"*
यूहन्ना 12:48

2. क्या उसे यह अधिकार है कि वह हमें अपने नियमों को मानने को जवाबदेह माने?

हां नहीं

C *"क्योंकि अवश्य है, कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के साम्हने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो उस ने देह के द्वारा किया हों पाए।"* 2 कुरिन्थियों 5:10

चार्ट 3 पर जाएं ↓

3

हमारी सबसे पहली समस्या

परमेश्वर

Ⓐ "क्योंकि हम यहूदियों और यूनानियों दोनों पर यह दोष लगा चुके हैं कि वे सब के सब पाप के वश में हैं। जैसा लिखा है: 'कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं' " रोमियों 3:9, 10

Ⓑ "इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं" रोमियों 3:23

"सुनो, यहोवा का हाथ ऐसा छोटा नहीं हो गया कि उद्धार न कर सके, न वह ऐसा बहिरा हो गया है कि सुन न सके; परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुमको तुम्हारे परमेश्वर से **अलग कर दिया** है, और तुम्हारे पापों के कारण उसका मुंह तुमसे छिपा है कि वह नहीं सुनता"

यशायाह 59:1, 2

पाप

↓

जुदाई

Ⓒ "जो कोई पाप करता है, वह व्यवस्था का विरोध करता है; और पाप तो व्यवस्था का विरोध है" (1 यूहन्ना 3:4)

Ⓓ "इसलिए जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिए यह पाप है" याकूब 4:17

चार्ट 4 पर जाएं ↓

4

हम परमेश्वर के साथ कहां हैं!

परमेश्वर

पाप

↓

जुदाई → मृत्यु

Ⓐ "क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है" रोमियों 6:23

1. आत्मिक मृत्यु

Ⓑ "इसलिये जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सब ने पाप किया" रोमियों 5:12

2. शारीरिक मृत्यु

Ⓒ "परन्तु सचमुच मसीह मुर्दों में से जी उठा है, और जो सो गए हैं, उन में पहिला फल हुआ। क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई; तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया। और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे" 1 कुरिन्थियों 15:20–22

चार्ट 5 पर जाएं ↓

5 परमेश्वर क्या चाहता है कि सब लोग कहां हों!

A ''और वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे'' कुलुस्सियों 1:18

''मसीह के बाहर''
सब प्रकार की
आशीष अगर
''मसीह में''
है तो क्या
''मसीह के बाहर''
कोई आशीष है ?
हां नहीं

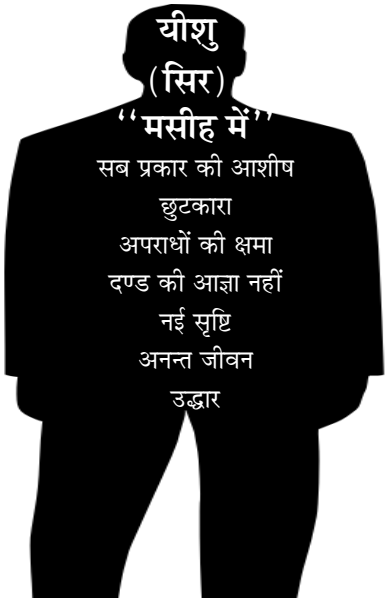

B इफिसियों 1:3- ''हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में *सब प्रकार की आशीष* दी है।''

C इफिसियों 1:7- ''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा *छुटकारा*, अर्थात *अपराधों की क्षमा*, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।''

D 1 कुरिन्थियों 1:2- ''परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात उन के नाम जो मसीह यीशु में *पवित्र किए गए*, और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं ...।''

E रोमियों 8:1- ''अत: अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर *दण्ड की आज्ञा नहीं* ।...''

F 2 कुरिन्थियों 5:17- ''सो यदि कोई मसीह में है तो वह *नई सृष्टि* है ...।''

G 1 यूहन्ना 5:11- ''और यह गवाही यह है, कि परमेश्वर ने हमें *अनन्त जीवन* दिया है: और यह जीवन उसके पुत्र में है।''

H ''इस कारण मैं चुने हुए लोगों के लिए सब कुछ सहता हूं, कि वे भी *उद्धार* को जो मसीह यीशु में है अनन्त महिमा के साथ पाएं।'' 2 तीमुथियुस 2:10

चार्ट 6 पर जाएं ↓

6 यीशु दोबारा आ रहा है!

2 थिस्सलुनीकियों 1:7-9

A ''और तुम्हें जो क्लेश पाते हो, हमारे साथ चैन दे; उस समय जब कि प्रभु यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा। और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते, और हमारे प्रभु यीशु के **सुसमाचार** को नहीं **मानते** उनसे पलटा लेगा। वे प्रभु के साम्हने से, और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर अनन्त विनाश का दण्ड पाएंगे।''

क्या 2 थिस्सलुनीकियों 1:7-9 यह सिखाता है कि यीशु के दोबारा आने पर दण्ड के दोष से बचने के लिए ''सुसमाचार को मानना'' आवश्यक है ?

हां **नहीं**

अगर हां, तो
1. सुसमाचार क्या है ?
2. सुसमाचार को कैसे माना जा सकता है ?

B ''क्योंकि वह समय आ पहुंचा है, कि पहिले परमेश्वर के लोगों का न्याय किया जाए, और जब न्याय का आरम्भ हम ही से होगा तो उनका क्या अन्त होगा जो परमेश्वर के सुसमाचार को नहीं मानते ?'' 1 पतरस 4:17

चार्ट 7 पर जाएं ↓

7

1. सुसमाचार क्या है?

सुसमाचार

मृत्यु

A "हे भाइयो, मैं तुम्हें वही सुसमाचार बताता हूं जो पहिले सुना चुका हूं, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था और जिस में तुम स्थिर भी हो। उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है, यदि उस सुसमाचार को जो मैं ने तुम्हें सुनाया था स्मरण रखते हो; नहीं तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ। इसी कारण मैं ने सब से पहिले तम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया। और गाड़ा गया; और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा"

1 कुरिन्थियों 15:1-4

इस वचन को पढ़ें

इफिसियों 1:18-23

कुलुस्सियों 1:15-18; 3:1

इब्रानियों 8:1-13

जी उठना

इन वचनों को पढ़ें

यशायाह 53:1-12

यूहन्ना 1:1-14

फिलिप्पियों 2:5-11

इफिसियों 2:14-22

1 कुरिन्थियों 1:18-21

रोमियों 7:1-4

कुलुस्सियों 2:11-15

चार्ट 8 पर जाएं

गाड़ा जाना

सुसमाचार अच्छी खबर को कहा गया है! यह हमारे पापों की ख़ातिर यीशु की **मृत्यु** की ख़बर है! यह हमारी आशा के लिए उस के जी उठने की ख़बर है!

8

2. सुसमाचार की आज्ञा को कैसे माना जा सकता है?

सुसमाचार का आज्ञापालन

मृत्यु

A "क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जिन्होंने मसीह यीशु का (into यानी में) बपतिस्मा लिया, उसकी मृत्यु का (into यानी में) बपतिस्मा लिया। अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएंगे। हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, और हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें" (रोमियों 6:1-6)

जी उठना

इन वचनों को पढ़ें

लूका 14:25-35

मरकुस 16:15, 16

प्रेरितों 2:36-38

प्रेरितों 8:26-40

प्रेरितों 22:16

गलातियों 3:26, 27

1 पतरस 3:21

गलातियों 2:20

चार्ट 1 पर जाएं

गाड़ा जाना

For more information & Bible course in your language, write to:
BASIC BIBLE COURSE
P.O. Box 44,
Chandigarh-160017
Email: basicbiblecourse@gmail.com
hindibiblecourse@gmail.com

Design copied from
Roger E. Dickson's Chart
Hindi translation by Earnest Gill